हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

10 स्वच्छता अभियान में वार्डो से निकाला 200...

10 स्वास्थ्य के लिए सहजन और कढ़ी पत्ता अनमोल उपहार

ग्रामीणों ने हिसार-घग्गर ड्रेन की सफाई नहीं करवाने का लगाया आरोप

ओवरफ्लो चल रही हिसार घग्गर ड्रेन फिर टूटी, हजारों एकड़ भूमि जलमग्न

सूचना ग्रामीणों को लगने से पहले ही हजारों एकड़ भूमि में पानी फैल गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ओवरफ्लो चल रही हिसार-घग्गर ड्रेन बार-बार टूट रही है। शुक्रवार की रात्रि व शनिवार की अलसुबह हिसार-घग्गर ड्रेन गांव लाडवा, गांव कैमरी, शाहपुर तथा गांव चुली के पास टूट गई। जब तक ड्रेन टूटने की सूचना ग्रामीणों को लगती ड्रेन का पानी हजारों एकड़ भूमि में फैल गया। पानी की रफ्तार इतनी अधिक थी कि खेतों के साथ-साथ वहां बनी कई ढाणियों भी डूब गई। सूचना मिलने पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारी नरेगा मजदूर के साथ टूटी ड्रेन को ठीक करने में जुट गए। कम संसाधन होने की वजह देर शाम तक नरेगा मजदूर सिर पर कट्टों में मिट्टी भरकर गांव कैमरी और गंगवा के बीच ड्रेन में आई दरार पाटने में लगे थे। इस दौरान मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन पर ड्रेन की समय पर सफाई नहीं कराने का आरोप भी लगाया। गांव शाहपुर में हिसार-घग्घर ड्रेन इस सीजन में अब तक चार बार टूट चुकी है।

सुबह छह बजे से लगे मजदूर

गांव कैमरी तथा गांव गंगवा के पास हिसार-घग्घर ड्रेन टूटने की सूचना मिलने पर नरेगा मजदूर सुबह छह बजे ड्रेन को ठीक करने के लिए पहुंच गए थे। जिस जगह से ड्रेन टूटी थी, वहां तक चलने के लिए पटड़ी भी ठीक नहीं थी। इस कारण नरेगा मजदूर को मिट्टी के कट्टे काफी लंबी दूर से ले जाने पड़े। करीब 12 घंटे बाद तक भी ड्रेन की दरार पाटने का कार्य जारी था। महाबीर स्टेडियम बरसाती पानी की निकासी का उचित प्रबंध नहीं होने के कारण एक बार फिर पानी से लबालब हो गया है। बता दें कि मानसून सीजन में रूक रूककर आ रही बारिश के कारण इस स्टेडियम में जलभराव की स्थिति है।। स्टेडियम के एथलेटिक्स मैदान में खिलाड़ी अभ्यास नहीं कर पा रहे हैं। स्टेडियम में जलभराव के कारण जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह भी इस बार प्रशासन को एचएयू के गिरी सेंटर में करवाना पड़ा था।

हिसार। गांव कैमरी व गंगवा के बीच टूटी हिसार-घग्गर ड्रेन को ठीक करने में लगे ग्रामीण व मजदूर।

सफाई नहीं कराने का आरोप

गांव कैमरी में ड्रेन टूटने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा ड्रेन की सफाई करवा दी होती तो यह नौबत नहीं आती। ड्रेन के अंदर बड़े-बड़े पेड़ व झाड़ियों उग गई है, जिसके कारण कभी कहां से कभी कहां से ड्रेन टूट रही है। ग्रामीणों ने बताया कि ड्रेन टूटने के कारण इसका पानी करीब डेढ़ किलोमीटर तक फैल गया। इसके कारण सैकड़ों एकड़ में खड़ी फसल डूब गई और ढाणियों में भी पानी पहुंच गया। ग्रामीणों ने सरकार व प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

हिसार। बरसाती पानी के निकासी के अभाव में पानी से लबालब महाबीर स्टेडियम।

राजली स्कूल में भरा पानी, पढ़ाई बाधित

बरवाला क्षेत्र के गांव राजली स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पिछले दिनों हुई भारी बारिश के कारण बरसाती पानी घुस जाने से स्कूल परिसर जलमग्न हो गया। स्कूल के मैदान से लेकर बिल्डिंग के कमरों तक पानी भर जाने के कारण शिक्षकों और विद्यार्थियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पानी सबसे पहले स्कूल के खुले मैदान में जमा हुआ और देर रात तक बहकर यह पानी धीरे-धीरे स्कूल की बिल्डिंग के अंदर पहुंच गया। शनिवार सुबह तक बरामदों और कई कमरों में पानी भर चुका था। इस कारण स्कूल में पढ़ाई करने आने वाले बच्चों को पानी के बीच से होकर आना-जाना पड़ रहा है। स्टाफ के लिए भी दफ्तर व अन्य कक्षाओं में बैठना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने जयबीर, सुरेश, नरेश, संदीप आदि ने बताया कि गांव और खेतों के बीच बनी सड़क की वजह से बरसाती पानी सीधे गांव में तो नहीं घुस पाया, लेकिन स्कूल परिसर और भवन पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल परिसर से पानी की निकासी के लिए तुरंत इंतजाम किए जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित होगी।

सुलखनी में मकान की छत और दीवार गिरी

भारी बारिश के बाद सुलखनी निवासी घनश्याम नामक व्यक्ति के घर की छत बीती शुक्रवार रात को अचानक से गिर गई। इतना ही नही दीवार का मलबा गली की साइड में गिर गया। गनीमत रही मकान के इस कमरे में कोई परिवार का सदस्य मौजूद नही था, पीड़ित व्यक्ति ने जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता दढिए जाने की मांग की है। इसके अलावा गांव की कॉलोनी में कई मकान जर्जर हालात में है। पानी निकालने के बाद फिर आई बारिश ने पानी-पानी कर दिया। ग्राम पंचायत लगातार पानी निकालने में लगी है ताकि ग्रामीणों को परेशानी न उठनी पड़े।

सीएम ने 41 किलोमीटर लंबे बाइपास को दी मंजूरी

हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा हिसार के लिए 41 किलोमीटर लंबे बाइपास को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि यह बाइपास निर्माण न केवल हिसार के विकास का अहम हिस्सा होगा बल्कि यहां वाहनों का दबाव कम होगा और यातायात व्यवस्था में भी सुधार आएगा। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में हिसार के लिए 41 किमी लंबे बाईपास परियोजना को मंजूरी दी है। यह बाइपास हिसार-राजगढ़ रोड (नेशनल हाइवे-52) से शुरू होकर हिसार-दिल्ली रोड (नेशनल हाइवे-9) को पार करते हुए हिसार-कैथल रोड (नेशनल हाइवे-52) तक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना हिसार शहर को जाम की समस्या से राहत दिलाएगी और क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी।

बरसात से डरने लगे किसान, मजदूर

आदमपुर। पिछले काफी दिनों से हो रही बरसात से अब लोग डरने लग गए हैं क्योंकि बरसात आवश्यकता से ज्यादा हो रही है। इसके चलते खेतों में भी पानी खड़ा हो गया है तथा फसलों को नुकसान हो रहा है। जिससे किसान पूरी तरह परेशान है, वही दूसरी तरफ बरसात के जारी रहने से मजदूरों के सामने भी रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है क्योंकि बरसात के चलते हुए काम पर नहीं जा पा रहे हैं। बरसात के कारण बाजारों में गलियों में कीचड़ के चलते बाजार सुनसान पड़े हैं।

खबर संक्षेप

हेलीकॉप्टर ऑनलाइन बुकिंग धोखाधड़ी करने वाला दूसरा आरोपी काबू

हांसी। थाना साइबर क्राइम हांसी पुलिस ने केदारनाथ धाम हेलीकॉप्टर की ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर 34 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने वाले दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान वाहिद निवासी सतहरिया बलरामपुर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई सजन कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर 15 जून को नरेश कुमार के साथ केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर की बुकिंग करवाने के नाम 34800 रुपए की धोखाधड़ी की थी। साइबर क्राइम पुलिस ने नरेश की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्लाट को बार-बार बेच धोखाधड़ी करने वाला काबू

हांसी। थाना शहर पुलिस ने एक प्लाट को बार-बार बेचकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हनुमान कालोनी निवासी मोहम्मद इशफाक के रुप में हुई है। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर सुनील ने बताया कि पकड़े गए आरोपी मोहम्मद इशफाक ने अपने एक ही प्लाट को पहले 2022 में व उसी प्लाट को वर्ष 2023 में दोबारा बेचकर पहले प्लाट खरीदने वाले व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने शिकायत के आधार कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद इशफाक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

बंद मकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हांसी। शहर थाना पुलिस ने बंद मकान में चोरी करने वाले एक आरोपी खानपुर निवासी अमन को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई अजय कुमार ने बताया कि पकड़े आरोपी ने 28 अगस्त की रात को जगदीश कॉलोनी निवासी श्याम पति के मकान में घुस कर अलमारी में रखी चांदी की चार चूड़ियां व 5500 रूपए चोरी कर लिए थे।

दो अवैध पिस्तोल व तीन कारतूस सहीत दो काबू

हिसार। एचटीएम थाना पुलिस ने न्यू विनोद नगर से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 अवैध पिस्तोल व 3 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर न्यू विनोद नगर स्थित एक मेडिकल स्टोर के सामने दो युवकों को पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान शिव नगर निवासी शाहिद खान व आदर्श नगर निवासी सुनील उर्फ सेठी के रूप में हुई।

श्री राधा अष्टमी पर श्री राधा नाम संकीर्तन आज

हांसी। श्री बांके बिहारी सेवा संघ, द्वारा श्री राधा जन्माष्टमी के अवसर पर रविवार को शाम सात बजे श्री सत्यनारायण मंदिर, नजदीक नसईयां वाली कूई पर श्री राधा नाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में वर्मा-शर्मा बन्धु, कुमारी मुस्कान उपाध्याय व वासु जोशी श्री राधा चरणानुरागी भक्तों को भजनों का रसपान कराएंगे।

नशीले कैप्सूल सहित युवक गिरफ्तार

हिसार। नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हिसार पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गांव मंगाली सुरतिया से एक युवक को 240 नशीले कैप्सूल सहित गिरफ्तार किया। आगामी कार्रवाई में पुलिस ने कैप्सूल सप्लायर, गुजरात के एक मेडिकल स्टोर संचालक को भी दबोच लिया।

जच्चा की मौत

प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव से महिला की मौत

पति की शिकायत पर केस दर्ज

नारनौंद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डाटा में एक गंभीर मामला सामने आया है। गांव मोठ की 23 वर्षीय आशु की प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत हो गई। मृतका के पति विकास ने स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह 11:30 बजे प्रसव पीड़ा शुरू होने पर आशु को पीएचसी डाटा लाया गया। मरीज के बार-बार आग्रह करने के बावजूद डॉक्टर ने रेफर नहीं किया। शाम तक उसे वहीं रोके रखा गया। डॉक्टर ने प्रसव के दौरान बच्चेदानी और प्राइवेज पार्ट पर कट लगाया। इससे रक्तस्राव बढ़ गया। शाम 6 बजे दिन की ड्यूटी वाली डॉक्टर चली गई। उन्होंने रात्रि शिफ्ट की डॉक्टर को मरीज की स्थिति के बारे में नहीं बताया। रात्रि शिफ्ट की डॉक्टर ने जांच के बाद तुरंत मरीज को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया। अग्रोहा में डॉक्टरों ने बताया कि मरीज का काफी खून बह चुका है। रात 11:30 बजे उसे आईसीयू में भर्ती किया गया। अत्यधिक रक्तस्राव और बढ़ी हुई हृदय गति के कारण हार्ट अटैक की आशंका थी। शनिवार सुबह आशु को मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों ने नारनौंद थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतका के पीछे एक साल की बेटी है। पति विकास ने आरोप लगाया कि यह मौत पूरी तरह पीएचसी डाटा की स्टाफ नर्स और आशा वर्कर की लापरवाही का नतीजा है।

आशु का फाइल फोटो।

गामड़ा की पूर्व सरपंच ज्योति बनी निदेशक

नारनौंद। गांव गामड़ा की पूर्व सरपंच ज्योति का चयन विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान में सहायक तकनीकी निदेशक के पद पर हुआ है। ज्योति ने इस परीक्षा में पूरे देश में तीसरा रैंक हासिल किया है। इससे पहले वह विज्ञान तकनीक सहायक के पद पर कार्य कर रही थी। इनके चयन से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। पूर्व सरपंच ज्योति ने बताया कि जब वह गांव की सरपंच थी तब उन्होंने अनेक विकास कार्य करवा कर गांव को चमकाने का काम किया था। सरपंच रहते ही उसका चयन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र में विज्ञान तकनीकी सहायक के लिए हो गया था और वह पिछले तीन सालों से हिसार में ही कार्यरत थी। इस दौरान उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी। साल 2023 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान में सहायक तकनीकी निदेशक के पद के लिए उन्होंने परीक्षा दी थी।

पीएम की मां पर की गई अशोभनीय टिप्पणी भाजपा युवा मोर्चा ने फूंका कांग्रेस का पुतला

नारेबाजी करते हुए की सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार दोपहर अंबेडकर चौक पर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

बिहार के दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माता पर कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने रोष जताया। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार दोपहर अंबेडकर चौक पर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कांग्रेस पार्टी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व विधायक विनोद भयाना के पुत्र साहिल भयाना, संजीव गंगवा, युवा मोर्चा अध्यक्ष सुखविंदर जाखड़, पूर्व चेयरमैन राजपाल यादव, बलकेश गुर्जर, अभी मेहरा और शिवम शर्मा सहित अन्य युवा नेताओं ने किया। भाजपा नेता बोले- अभद्र टिप्पणी पूरे देश के लिए असहनीय भाजपा युवा नेता साहिल भयाना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की अभद्र टिप्पणी पूरे देश के लिए असहनीय है। उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री और देश की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा विरोध-प्रदर्शन जारी रहेंगे। पूर्व चेयरमैन राजपाल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता के प्रति असम्मानजनक शब्दों का प्रयोग कर कांग्रेस ने अपनी मानसिकता उजागर की है। यह केवल प्रधानमंत्री ही नहीं बल्कि हर भारतीय मां का अपमान है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी मांगे माफी

हांसी। अंबेडकर चौक पर प्रदर्शन कर पुतला दहन करते भाजपा युवा मोर्चा के सदस्य।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियों में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा

इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

खबर संक्षेप

सोनम शीतल

फतेहचन्द महाविद्यालय की सोनम रही प्रथम

हिसार। फतेहचन्द महिला महाविद्यालय की एमए संस्कृत की छात्राओं ने पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी शानदार प्रदर्शन दिखाया। गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के शीर्ष दस स्थानों में फतेहचन्द महिला महाविद्यालय की सोनम ने प्रथम (86 फीसद), शीतल ने तृतीय (81.6 फीसद) स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत ने सभी छात्राओं, अभिभावकों और प्राध्यापकों को बधाई दी।

पुलिसकर्मियों के सम्मान में किया विदाई समारोह

हांसी। जिला पुलिस हांसी में कार्यरत पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार व एसआई रणबीर सिंह शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हुए दोनों पुलिस कर्मियों के लिए पुलिस विभाग की ओर से जिला पुलिस लाइन में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में डीएसपी विनोद शंकर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। डीएसपी ने जिला पुलिस से सेवानिवृत हुए पुलिस कर्मचारियों इंस्पेक्टर अशोक कुमार, एसआई रणबीर सिंह को पुलिस विभाग की और से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया तथा पुलिस विभाग में उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

राजकीय विद्यालय छान में खेल प्रतियोगिता संपन्न

बरवाला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, छान में खेल दिवस 2025 का आयोजन किया गया। सुबह से ही विद्यालय प्रांगण उत्साह और उमंग से सराबोर था। जहाँ एक ओर विद्यार्थी रंग-बिरंगी ड्रेस में मैदान पर तैयार खड़े थे, वहीं दूसरी ओर अध्यापक और गाँववासी बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए तालियों की गूंज से वातावरण को रोमांचित कर रहे थे।इस खेल दिवस का शुभारंभ राष्ट्रगान और ध्वजारोहण से हुआ। इसके बाद मंच पर प्रिंसिपल ओमप्रकाश डाबला और इंचार्ज प्रिंसिपल अंतर सिंह तथा सभी अध्यापकगण समेत गांव के बुजुर्गों ने दीप प्रज्वलित कर खेल दिवस का उद्घाटन किया।

प्रशासन सोमवार से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाएगा

बेसहारा पशुओं को पकड़ने की धीमी गति पर विधायक भयाना ने जताई नाराजगी

विधायक विनोद भयाना ने समीक्षा बैठक के बाद नगर परिषद अध्यक्ष प्रवीण ऐलाबादी और एसएीएम के साथ शहर का पैदल दौरा कर दुकानदारों से स्पष्ट कहा कि सड़कों से अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें।

- एक सप्ताह में हांसी को बनाएं बेसहारा पशु मुक्त शहर : भयाना
- विधायक ने नगर परिषद के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

विधायक विनोद भयाना ने शनिवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में नगर परिषद के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ मैराथन बैठक की। बैठक में शहर की साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने, सड़कों से अतिक्रमण हटाने, बेसहारा पशुओं को पड़कर निर्धारित स्थानों पर पहुंचने तथा विकास कार्यों को लेकर पिछले सप्ताह हुई बैठक में दिए गए निर्देशों के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में नगर परिषद के अध्यक्ष प्रवीण ऐलाबादी भी मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में विनोद भयाना ने बेसहारा पशुओं को पकड़ने की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह आज से ही बेसहारा पशुओं को पड़कर निर्धारित स्थानों पर पहुंचने के लिए सघन अभियान शुरू करें। उन्होंने कहा कि आगामी 7 दिनों के अंदर पूरे शहर में कहीं भी बेसहारा पशु नजर नहीं आना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी एवं लापरवाही सहन नहीं की जाएगी अगर निर्धारित समय अवधि में यह कार्य पूरा नहीं किया गया तो संबंधित जिम्मेवार अधिकारी व कर्मचारी अपना ट्रांसफर किसी दूसरे शहर में करवा ले, यहां लापरवाह अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए कोई जगह नहीं है।

हांसी। बाजार में दुकानदारों व रेहड़ी संचालकों से अतिक्रमण हटाने की अपील करते विधायक विनोद भयाना।

हेल्पलाइन नंबर जारी

बैठक में आम नागरिकों के लिए 9588177762 तथा 9812194607 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए। विधायक ने कहा कि इन मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप 24 घंटे चालू रहेगा। कोई भी नागरिक इन मोबाइल नंबरों के व्हाट्सएप पर शहर में कहीं भी पड़े कूड़ा करकट की फोटो लेकर डाल सकता है। उन्होंने कहा कि फोटो के साथ वार्ड तथा गली नंबर भी डालें ताकि समस्या का समाधान तेजी से हो सके। उन्होंने कहा कि 1,2 तथा 20 से लेकर 27 नंबर वार्ड तक के निवासी 9588177762 तथा वार्ड नंबर तीन से 19 तक के निवासी मोबाइल नंबर 98121 94607 पर फोटो डाल सकते हैं। विधायक ने कहा कि शहर की साफ सफाई व्यवस्था, सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करवाने तथा बेसहारा पशुओं को पकड़ने जैसे कार्यों में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारियों तथा कर्मचारियों की अभियान के दौरान पहचान कर नाम भिजवाने के निर्देश दिए। बैठक में नगर परिषद के ईओ सुरेश चौहान, एमई विक्की कुमार, सलाहकार दिनेश भुटानी, सुभाष यादव सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्ति तथा अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कहीं भी कूड़ा-कर्कट नजर न आए

विधायक ने कहा कि बेशक साफ सफाई व्यवस्था में थोड़ा सुधार हुआ है लेकिन यह काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि शहर की साफ सफाई व्यवस्था को पूर्ण रूप से दुरुस्त करें। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल कूड़ा करकट के उठाने के लिए 25 टिप्पर तथा पांच ट्रैक्टर ट्राली संचालित है। 20 टिप्परों के लिए टेंडर भी लगाया गया है। विधायक ने बैठक में अनुपस्थित रहने वाले वार्ड नंबर 7, 8 तथा 9 के सफाई दरोगा को तुरंत बदल कर दूसरे सफाई दरोगा की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए ।

सड़कों को करें अतिक्रमण मुक्त

विधायक विनोद भयाना ने समीक्षा बैठक समाप्त होने के बाद नगर परिषद अध्यक्ष प्रवीण ऐलाबादी तथा एसडीएम राजेश खोथ ने नगर परिषद अधिकारियों के साथ शहर का पैदल दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों से स्पष्ट कहा कि सड़कों से अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें। प्रशासन द्वारा सोमवार से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान अगर सड़क पर अतिक्रमण पाया गया तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ नियम अनुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

हिसार। विजेता प्रतिभागी विद्यालय के प्रबंध निदेशक, प्रधानाचार्या एवं शिक्षिका के साथ।

होली चाइल्ड स्कूल ने कला उत्सव में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने ब्लॉक स्तर पर आयोजित कला उत्सव में अपनी शानदार प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। माइम टीम ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु ने इस उपलब्धि पर विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और आगामी प्रतियोगिता में शानदार सफलता के लिए शुभाशीष दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय के बच्चे हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत से आगे बढ़ रहे हैं, जो गर्व का विषय है। प्रधानाचार्या अनीता पन्नू दलाल ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कला उत्सव विद्यार्थियों में छुपी प्रतिभा को उजागर करने का सशक्त मंच है। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कला अनुभाग से शिक्षिका अपूर्वा का विशेष योगदान रहा। माइम प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों में अंश, सिमरन, तनिष्का और सन्नी ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और सबका दिल जीत लिया।

भाजपा ने दीनदयाल लाडो योजना लागू कर महिलाओं का सम्मान किया : बिजेंद्र लोहान

नारनौंद। भाजपा ने चुनाव में जो वायदे प्रदेश की जनता से किए थे। वह सभी पूरे किए जा रहे हैं। उक्त शब्द भाजपा जिला महामंत्री बिजेंद्र लोहान ने कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए दीनदयाल लाडो योजना के तहत 2100 रुपए देने का वादा किया था जो कि पूरा कर दिया गया है। अब महिलाओं को 2100 रुपए मिलेंगे। इसके लिए उनके परिवार की फैमिली आईडी में इनकम एक लाख रुपए तक होनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो कि हर वर्ग का सम्मान कर रही है। बेरोजगार युवाओं के लिए जल्द ही अनेक विभागों में नौकरियां निकालकर उनको रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री लोगों के लिए अनेक विकास की योजनाएं बनाकर आए दिन उनकी झोली भरने का काम कर रहे हैं।

आरडीएम की एकल नृत्य प्रतियोगिता में नेताजी सदन बना विजेता : डॉ. शालू एस. कटारिया

- अपनी प्रतिभा को मंच पर प्रदर्शित करना जरूरी : शर्मा
- पंजाबी और हिंदी गानों पर नृत्य प्रस्तुत कर बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना मंडी

साप्ताहिक गतिविधियों की श्रृंखला में आरडीएम प्रांगण में एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यह प्रतियोगिता अंतरसदनीय रही।

चारों सदनों के विधार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। यह प्रतियोगिता दो वर्गों में हुई कनिष्ठ वर्ग तथा वरिष्ठ वर्ग। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ. केसी शर्मा, प्रधानाचार्या डॉक्टर शालू एस. कटारिया, अध्यापक वृंद और सभी छात्र उपस्थित रहे। सभी बच्चों की प्रतिभा, अदभुत नृत्य को देखकर दंग रह गए। प्रतिभागियों ने पंजाबी और हिंदी गानों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत करके समय बांध दिया। निर्णायक मंडल के द्वारा परिणाम भी घोषित हुआ जिसमें प्रथम स्थान पर जैस्मिन और नेता सदन, द्वितीय स्थान पर रोज और टैगोर और तृतीय स्थान पर लोटस और गांधी सदन बधाई के पात्र बने। संस्था के चैयरमैन डॉ. केसी ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उन्हें इसी तरह प्रतियोगिता में भाग लेने संदेश का दिया।

उकलाना। कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्रा।

पुलिस परिवार के तीन सदस्य सेवानिवृत्त

हिसार। जिला पुलिस लाइन स्थित आधिकारिक मेस में पुलिस विभाग से सेवानिवृत होने वाले पुलिसकर्मियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया।

पुलिस उप पुलिस अधीक्षक कमलजीत और कल्याण निरीक्षक वीरपाल ने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में सेवानिवृत्ति प्राप्त करने वाले निरीक्षक रणधीर सिंह, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह और उप निरीक्षक रघुबीर सिंह सहित उनके परिजन मौजूद रहे। इस मौके पर उप पुलिस अधीक्षक कमलजीत ने कहा कि पुलिसकर्मियों ने अपने पूरे जीवनकाल को कर्तव्यों के निर्वहन और जनसेवा में समर्पित किया है।

'एक पेड़ मां के नाम' सामूहिक अभियान : शर्मा

- शहीद भगत सिंह स्कूल में पौध वितरण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

भारत विकास परिषद् ने शनिवार को शहीद भगत सिंह स्कूल में पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौध वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी सुरेन्द्र नाथ शर्मा ने की।

सुरेन्द्र नाथ शर्मा ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम 2.0 एक सामूहिक वृक्षारोपण अभियान है जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पहल का यह दूसरा चरण है। जिसके तहत प्रत्येक नागरिक को अपना मां या धरती माता के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शाखा पौधों की सुरक्षा के लिए निशुल्क ट्री गार्ड और पौधे देती है कोई भी व्यक्ति ट्री गार्ड और पौधे शहीद भगत सिंह स्कूल से ले सकते हैं। इस अवसर पर जगदीश धमीजा, नरेंद्र वर्मा, सतबीर कौशिक, प्रवीण गर्ग, श्रीचंद आहूजा, आदि उपस्थित थे।

हांसी। शहीद भगत सिंह स्कूल के विद्यार्थियों को पौधे वितरित करते सुरेंद्र शर्मा।

विधायक रणधीर ने किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

- महाबीर स्टेडियम में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की कड़ी में शनिवार को खेल विभाग द्वारा महाबीर स्टेडियम में योगा, कबड्डी और हैंडबॉल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

नलवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रणधीर पनिहार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात भारत रत्न मेजर ध्यानचंद की जयंती पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन करना सरकार का सराहनीय कदम है। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य है, इसलिए उन्हें व्याधियों से दूर रखते हुए सही दिशा में आगे बढ़ाना बहुत जरूरी हैं। हांसी के एसडीएम एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी राजेश खोथ ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन पर रविवार को सुबह 10 बजे महावीर स्टेडियम से संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी नरेश कुमार सहित खेल विभाग के प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

शहीद भगत सिंह स्कूल के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण...

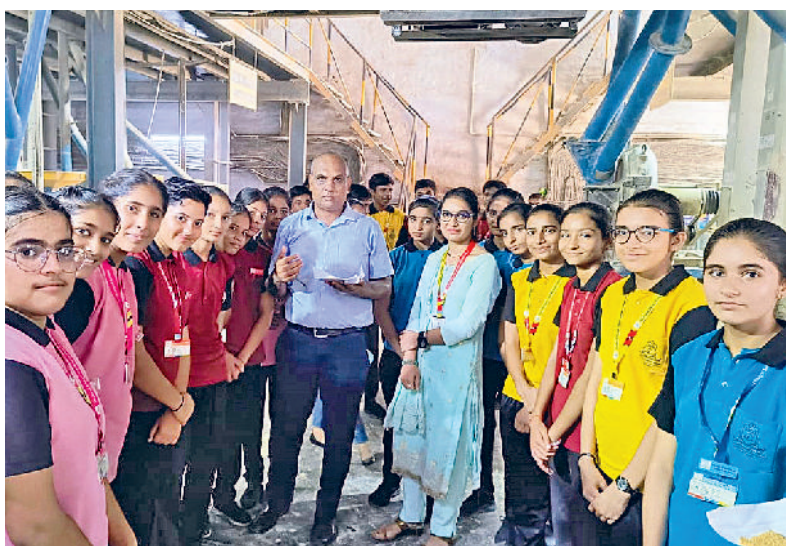

सिवानी मंडी। शैक्षणिक भ्रमण करते शहीद शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी।

सिवानी मंडी। खंड के गांव गैंडावास के शहीद शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने शनिवार को जयभारत गम एंड केमिकल लिमिटेड में शैक्षणिक भ्रमण किया। संस्थान के प्रबंधक अजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और विद्यार्थियों को पूरे संस्थान का भ्रमण करवाया। ग्वार से बनने वाले सभी प्रकार के उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा विद्यार्थियों ने उत्पादन के आयात निर्यात और उत्पादन के क्षमता के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को शैक्षणिक दृष्टि से भविष्य निर्माण में फायदेमंद बताया। इस जय भारत संस्थान की तरफ से सभी विद्यार्थियों को विशेष सम्मान दिया गया। विद्यालय के निदेशक सुरेश गेट ने संस्थान के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगरपालिका चेयरपर्सन वंदना राजेश केडिया, संस्थान के चेयरमैन रवि केडिया, अर्जुन केडिया, अमरदीप, निशा सहित कई लोग मौजूद थे।

गांव सातरोड में बनने वाले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को लेकर निगमायुक्त ने कैबिनेट मंत्री के साथ किया मंथन

हिसार। युवाओं की उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से नगर निगम गांव सातरोड़ में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने जा रहा है। इसकी योजना तैयार कर सरकार को भेज दी गई है। इस विषय पर शनिवार को लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा और निगमायुक्त नीरज ने विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर पार्षद नरेश ग्रेवाल, एक्सईएन जयबीर डूडी, एमई अमित बेरवाल, जेई अंकुर चौहान और जेई अजय सिहाग भी मौजूद रहे। निगमायुक्त नीरज ने बताया कि कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के साथ बैठक में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की रूपरेखा पर गहन मंथन किया गया। लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस कॉम्प्लेक्स का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। चर्चा के बाद कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने आश्वस्त किया कि योजना को शीघ्र ही सरकार से मंजूरी दिलवाई जाएगी।

छात्रों और ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

हिसार। नगर निगम की टीम ने शनिवार को गांव सातरोड में स्कूल के विद्यार्थियों और क्षेत्रवासियों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया। मौके पर सीटीएल प्रदीप जाखड़ और तकनीकी विशेषज्ञ जसबीर कुंडू ने लोगों से घर, गली और मोहल्लों की सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सभी को सिंगल-यूज प्लास्टिक व पॉलीथिन से बचने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को हरे और नीले डस्टबिन का उपयोग करने की सलाह दी गई, ताकि सूखा और गीला कचरा अलग-अलग इकट्ठा कर कचरा वाहनों तक सही तरीके से पहुंचाया जा सके।

गुजवि में कार्यक्रम
क्लबों के नवनियुक्त समन्वयकों के लिए सम्मान और संकल्प समारोह आयोजित

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के सौजन्य से सम्मान एवं संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 2024-25 के कार्यरत समन्वयकों और सत्र 2025-26 के नव-नियुक्त समन्वयकों सहित 130 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 10 क्लबों और समितियों के समन्वयकों का स्वागत किया गया एवं नियुक्ति दी गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति के तकनीकी सलाहकार (मानव संसाधन प्रबंधन) प्रो. संदीप राणा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएसईएल हिसार के निदेशक पंकज असीजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने की। प्रो. राणा ने अपने संबोधन में लक्ष्य-उन्मुख और आत्म-प्रेरित होने पर बल दिया। धन्यवाद ज्ञापन ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट के सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने प्रस्तुत किया।

तय समय में कार्य पूरा नहीं किया तो एजेंसी पर होगी विभागीय कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

निगमायुक्त नीरज ने शहर में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

टाउन पार्क में नवीनीकरण के कार्यों में देरी पर दोनों एंजेसियों को कड़ी फटकार लगाई

निगमायुक्त नीरज ने शनिवार को शहर के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान निगमायुक्त अधिकारियों के साथ टाउन पार्क पहुंचे। उन्होंने टाउन पार्क में चल रहे नवीनीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में पाया गया कि मेन गेट, ऑडिटोरियम, झील में पत्थर लगाने का कार्य, लाइटों के कार्य, बागवानी के कार्य लगभग 80 प्रतिशत हो चुका है। हालांकि पार्क के पीछे के कार्य, शौचालयों का कार्य और पार्किंग आदि कार्यों में देरी पाई गई। निगमायुक्त ने अधिकारियों, ठेकेदार और कंसल्टेंसी एजेंसी को निर्धारित तय समय में बाकी सभी कार्य पूर्ण किए जाए। साथ उन्होंने कार्य में देरी के लिए दोनों एंजेसियों को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि अगर तय समय में कार्य पूरा नहीं हुआ तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एक्सईएन जयवीर डूडी, एमई अमित बेरवाल, जेई अजय सिहाग, ठेकेदार और कसल्टेन्सी एजेंसी से संदीप सैनी मौजूद रहे।

हिसार टाउन पार्क के निरीक्षण के दौरान निर्देश देते निगमायुक्त नीरज।

भाजपा नेता ग्रोवर ने की सीएम की तारीफ

आदमपुर। भूमि व जल संरक्षण आयोग के सह प्रमुख एवं भाजपा युवा नेता राजन ग्रोवर ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिह सैनी बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास कार्य कर रहे हैं तथा आदमपुर में भी करोड़ों रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारी बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों को आर्थिक हानि हुई है। मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी इसको लेकर गंभीर है और जिन किसानों की फसलों को भारी बारिश से क्षति पहुंची है, उनको उचित मुआवजा दिया जाएगा।

लहरिया गांव में पिछले चार दिनों से जलभराव की समस्या जस की तस

भूना। लहरिया गांव में पिछले चार दिनों से जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। इस स्थिति के कारण गांव की गरीब आबादी को अपनी जिंदगी जीने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को अपने घरों से बाहर निकलकर कम्युनिटी सेंटर में शरण लेनी पड़ी है। ग्राम पंचायत राहत कार्यों में पूरी तरह से सक्रिय रही है। ग्राम पंचायत के सदस्यों के प्रयासों के बावजूद बस स्टैंड, बुवान कोठी और इंदाछोई रोड पर पानी अभी भी करीब दो फुट तक भरा हुआ है। वहीं, लोग अपने घरों से पानी बाहर निकालने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। ग्राम सरपंच अरुणा नेहरा ने बताया कि निचले हिस्से की रिहायशी कॉलोनियों में जलभराव के कारण घरों में काफी नुकसान हुआ है। जलभराव से नुकसान का आकलन पानी निकालने के बाद ही किया जा सकेगा।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को करवाया पुस्तकालय का भ्रमण

हिसार। दयानंद कॉलेज में हिंदी पखवाड़े के तहत हिंदी व संस्कृत विभाग की ओर से पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को पुस्तकालय का भ्रमण करवाया गया और विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ. रमेश शर्मा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका नरेश ने मुख्य वक्ता को तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के भौतिक और रचनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में डॉ. सुमंगला वशिष्ठ, डॉ. सुरेंद्र बिश्नोई, डॉ. संतोष, डॉ. सुमन, डॉ. दीपक, प्रो. अमरनाथ, प्रो. विजेंद्र व काफी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

रेहड़ी-पटरी संचालकों ने स्वयं झाड़ू लगाकर की सफाई

हिसार। नगर निगम टीम ने शनिवार को आईटीआई चौक और तोशाम रोड पर रेहड़ी-पटरी संचालकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। टीम ने संदेश दिया कि शहर को साफ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान जब रेहड़ियों के आसपास गंदगी पाई गई तो संचालकों ने स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई की और संकल्प लिया कि आगे से प्रत्येक रेहड़ी पर डस्टबिन रखा जाएगा। उसमें एकत्रित कचरा नगर निगम के संग्रहण वाहनों में डाला जाएगा। साथ ही, रेहड़ी हटाने के बाद वह अपने स्थान की सफाई स्वयं करने का विश्वास दिलाया।

20 लोगों की आंखों के किए निशुल्क ऑपरेशन

हिसार। चौ. फतेहचंद व माता हरबंस कौर की स्मृति में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 20 जरूरतमंद लोगों की आंखों के सफेद मोतियाबिंद के ऑपरेशन अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा किए गए। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल ने बताया कि शिविर के आयोजन में समाजसेवी अनिल महता का विशेष योगदान रहा।

बाबा रामदेव जागरण एक सितंबर को

हिसार। श्रीशिव मंदिर ट्रस्ट, एमसी कॉलोनी की बैठक प्रधान रामअवतार अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। इसमें भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी तिथि के उपलक्ष्य में एक सितंबर को रात 9 बजे बाबा रामदेव का जागरण व दो सितम्बर को भंडारा करने का फैसला लिया गया। जागरण में कई भजन गायक बाबा रामदेव का गुणगान करेंगे। दो सितंबर को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक रामदेव मेला व कीर्तन आयोजित किया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे भंडारा चलाया जाएगा।

अभिभावक-शिक्षक-छात्र बैठक आयोजित

हिसार। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ठसका की प्रधानाचार्या संतोष के नेतृत्व में स्कूल प्रांगण में अभिभावक-शिक्षक-छात्र बैठक सफलतापूर्वक आयोजित हुई। बैठक में सुमन, सुमन लता, दीपिका, सुशीला, मनीष, बबली, हर्षा, मंजू, रेनू, सविता, खेम सिंह और राजबाला सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक में अभिभावकों और शिक्षकों ने छात्रों की प्रगति और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। अगस्त में हुई एसएटी परीक्षा के परिणाम पर भी चर्चा की गई, जिसमें छात्रों की प्रगति और कमजोर क्षेत्रों की पहचान की गई।

लाडो लक्ष्मी के नाम पर भाजपा ने किया विश्वासघात

हांसी। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेत्री गायत्री देवी ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने हरियाणा की महिलाओं के साथ खुला धोखा किया है। चुनाव के दौरान भाजपा ने प्रदेश की प्रत्येक महिला को 2100 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद यह वादा पूरा नहीं किया गया। गायत्री देवी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि सरकार बनने के बाद महिलाओं को राहत देने के बजाय उनके सामने एक लाख रुपये आय की शर्त थोप दी गई, जो सरासर अनुचित और अन्यायपूर्ण है।

योजनाबद्ध तरीके से सभी वार्डों में हो रही सफाई : निगमायुक्त

स्वच्छता अभियान में वार्डों से निकाला 200 ट्रॉली कचरा

शहरवासियों को जागरूक करने के लिए बस क्यू शेल्टर पर लगाए स्वच्छता से सम्बन्धित बैनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियो से बाचतीत करते नगर निगमायुक्त नीरज। *फोटो : हरिभूमि*

सीएम के आदेश पर नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत निगम के आला अधिकारी गत 24 अगस्त से अलसुबह शहर के किसी ने किस वार्ड में पहुंचकर सफाई से जुड़े कार्यों की शुरुआत कर देते हैं। निगमायुक्त नीरज के अलावा अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल, अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, एक्सईएन अमित कौशिक, एक्सईएन जयबीर डूडी, एमई सुनील लाम्बा निरंतर अल-सुबह सफाई कार्यों का निरीक्षण करने में जुटे हैं।

इसी कड़ी में शनिवार सुबह निगमायुक्त नीरज ने सुंदर नगर, रेड स्क्वेयर मार्केट, ग्रीन स्क्वेयर मार्केट, तेलियान पुल मार्केट, पड़ाव चौक, जवाहर नगर, पीएलए सेक्टर व मार्केट में सफाई कार्यों का जायजा लिया तथा उन्होंने सफाई कर्मचारियों को कार्य करने के लिए दिशा-निर्देश दिए। निगमायुक्त ने बताया कि अभियान के तहत शनिवार को लगभग 200 ट्रॉली सीएंडडी वेस्ट (ठोस कचरा) सभी वार्डो से निकाला गया। सीएंडडी वेस्ट डम्प साइट पर डाला गया। लगभग 80 ट्रॉली ठोस कचरा जिसमें मिट्टी थी। उसको कैमरी रोड स्थित सेक्टर 15 एचएसवीपी की साइट पर डाला गया। उस जगह से कचरा उठाया गया। निगमायुक्त ने बताया कि शहरवासियों को जागरूक करने के लिए शहर के बस क्यू शेल्टर पर स्वच्छता से सम्बन्धित बैनर भी लगाए गए। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के दौरान अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल ने सिटी थाना रोड, पड़ाव चौक, रेड स्क्वेयर मार्केट और रेलवे स्टेशन रोड के सफाई से सम्बन्धित कार्यों का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों को कार्य करने के दिशा-निर्देश दिए।

जनता से सहयोग की अपील

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 24 अगस्त से 7 नवम्बर तक चलाया जा रहा है। 11 सप्ताह चलने वाले इस अभियान में शहर की हर गली, हर मोहल्ले, हर घर, मार्केट साफ हो यहीं स्वच्छ हरियाणा की पहचान बने। स्वच्छता अभियान में शहर की जनता से भी अपील है कि हिसार शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में भरपूर सहयोग करें।

-प्रवीण पोपली, मेयर, हिसार।

यहां-यहां चलाया अभियान

निगम प्रशासन की ओर से शनिवार को सेक्टर 16-17, डीएन कॉलेज के नजदीक रेलवे फाटक से घोड़ा फार्म रोड रेलवे लाइन के साथ-साथ, योग नगर, भुटानी कॉलोनी, गर्ल्स आईटीआई के आस-पास के क्षेत्र, महावीर कॉलोनी 44 फूटा रोड, मिलगेट से लेकर कैंची चौक, बाबा बालक नाथ मंदिर रोड के आस-पास के क्षेत्र, अर्बन एस्टेट-2 में शौचालय, एलआईसी कार्यालय के पास, रानी सती मंदिर के पास, रेड स्क्वेयर मार्केट, ग्रीन स्क्वेयर मार्केट, रेलवे रोड, जवाहर नगर गली नं. 2, सेक्टर 15 रॉयल बार के आसपास, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पटेल नगर मार्केट आदि वार्डों में की गई सफाई।

सेवानिवृति कर्मचारियों को उचित सम्मान देना संस्थान का दायित्व : प्रो. बिश्नोई

- कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। सेवानिवृत कर्मचारी रतन सिंह को सम्मानित करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। *फोटो : हरिभूमि*

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा है कि सेवानिवृति के बाद भी कर्मचारियों को उचित सम्मान देना संस्थान का दायित्व बनता है।

सेवानिवृत कर्मचारी जब भी संस्थान में आए तो उन्हें लगना चाहिए कि उसने इस संस्थान कों अपने जीवन का श्रेष्ठ समय दिया है। कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई विश्वविद्यालय के कर्मचारी रतन सिंह की सेवानिवृति के अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे। सेवा सम्मान समारोह में कुलसचिव डॉ. विजय कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने सेवानिवृत कर्मचारी रतनसिंह के संस्थान के दौरान सेवाओं की प्रशंसा की। सेवा सम्मान समारोह में सेवानिवृत कर्मचारी रतन सिंह के अतिरिक्त विश्वविद्यालय कार्य विभाग के प्रोफैसर इंचार्ज प्रो. एससी गर्ग, कार्यकारी अभियंता सुनील ग्रोवर तथा गैर शिक्षक कर्मचारी यूनियन के उपप्रधान नेकीराम ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम का आयोजन

हिसार। दयानंद कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस को बड़े उत्साह और भव्य तरीके से मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष सुरजीत कौर ने किया। पहले दिन ताइक्वोंडो प्रतियोगिता एवं प्रदर्शन महात्मा हंसराज हॉल में किया गया और मुख्य अतिथि कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. मोनिका रही। निर्णायक की भूमिका रोहताश कुमार ने निभाई। इस प्रतियोगिता में महिला वर्ग में बीए प्रथम वर्ष की प्रिया प्रथम रही, बीए द्वितीय वर्ष की कल्पना गोस्वामी द्वितीय तथा खुशी तृतीय स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में बीए द्वितीय वर्ष के छात्र मोहित प्रथम, अंकित द्वितीय तथा बीए तृतीय वर्ष के छात्र सुधीर तृतीय स्थान पर रहे।

विधायक रणधीर पनिहार ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

नोडल अधिकारी ने दी जानकारी

हांसी के एसडीएम एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी राजेश खोथ ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन पर रविवार को सुबह 10 बजे महावीर स्टेडियम से संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला खेल अधिकारी नरेश कुमार सहित खेल विभाग के प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की कड़ी में शनिवार को खेल विभाग द्वारा महाबीर स्टेडियम में योगा, कबड्डी और हैंडबॉल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस अवसर पर नलवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रणधीर पनिहार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ने खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात भारत रत्न मेजर ध्यानचंद की जयंती पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन करना सरकार का सराहनीय कदम है। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य है, इसलिए उन्हें व्याधियों से दूर रखते हुए सही दिशा में आगे बढ़ाना बहुत जरूरी हैं।

पूजन सामग्री की दुकान से हजारों की चोरी, केस

- सीसीटीवी में कैद हुई वारदात की पुलिस कर रही जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना

उकलाना मंडी में शनिवार सुबह एक पूजन सामग्री की दुकान पर चोरी की वारदात ने पूरे बाजार में सनसनी फैला दी।

मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार महावीर मार्केट स्थित लक्ष्मी पूजन भंडार के संचालक राजा थोरी के गांव भेरी अकबरपुर रोज की तरह सुबह अपनी दुकान पर बैठे थे। तभी करीब 8:15 बजे एक युवक और एक महिला ग्राहक बनकर उनकी दुकान पर पहुंचे। दुकानदार ने बताया कि महिला और युवक ने पूजन सामग्री दिखाने की बात कही। इसी दौरान युवक ने बड़ी चालाकी से उन्हें लगातार बातों में उलझाए रखा। जब दुकानदार महिला को सामान दिखाने में व्यस्त थे, तभी युवक ने मौका पाकर गल्ले में रखी लगभग तीन हजार रुपये की नकदी निकालकर जेब में डाल ली और महिला के साथ दुकान से बाहर निकल गया। कुछ देर बाद जब दुकानदार को शक हुआ और गल्ला संभाला, तो उसमें से रुपए गायब मिले।

रमेश वत्स पुनः बने ऑटो मार्केट के प्रधान

हिसार। ऑटो मार्केट स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला में बाबा विश्वकर्मा सभा पुरानी ऑटो मार्केट की बैठक आयोजित की गई जिसमें सभा की नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इसमें सर्वसम्मति से रमेश वत्स को पुनः बाबा विश्वकर्मा सभा पुरानी ऑटो मार्केट का प्रधान चुना गया। अन्य कार्यकारिणी में जसपाल सिंह को उपप्रधान, सचिन राजपाल को सैक्रेटरी व सुरेश शर्मा राजगढिया को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में कार्यकारिणी सदस्य जसवंत सिंह टाटा, भगत सिंह, मुकेश सोनी, संजय हैडवाला, सोनू सरदार, प्रदीप सोनी, राजकुमार बिट्टू, अनिल गुर्जर, ईश्वर सिंह, धर्मपाल शर्मा, पवन बॉडी वाला व दयानंद शोकर वाला मौजूद रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी में बहबलपुर का मोहित रहा प्रथम

- नहर कोठी स्कूल में आयोजित की खंड स्तरीय विज्ञान एवं पर्यावरण प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

बरवाला। प्रदर्शनी के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित करते हुए ।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में और शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशानुसार खंड शिक्षा अधिकारी बरवाला मनोज गुप्ता की अध्यक्षता में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी बरवाला के प्रांगण में खंड स्तरीय विज्ञान एवं पर्यावरण प्रदर्शनी तथा विज्ञान ड्रामा का आयोजन किया गया। बीआरपी रजनी वलेचा ने बताया कि इस प्रदर्शनी का संचालन विद्यालय से पीजीटी भौतिक विज्ञान रविन्द्र एवं विक्रम गोयल द्वारा किया गया।

इस प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहबलपुर के छात्र मोहित ने प्राप्त किया और द्वितीय स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गैबीपुर की छात्रा तमन्ना ने प्राप्त किया तथा तृतीय स्थान राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी बरवाला के छात्र आदित्य ने प्राप्त किया। सान्त्वना पुरस्कार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अनाज मंडी के छात्र रवि ने और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरक पुनिया की छात्रा अनु ने प्राप्त किया। इसके अलावा विज्ञान ड्रामा में प्रथम स्थान राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी बरवाला ने प्राप्त किया और द्वितीय स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अनाज मंडी ने प्राप्त किया तथा तृतीय स्थान श्री गीता राम मेमोरियल स्कूल मतलोढा ने प्राप्त किया। विजेताओं को प्रंशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

इनका रहा योगदान

निर्णायक मंडल में पीजीटी रसायन विज्ञान सुमन, भौतिक विज्ञान मीना शर्मा, जीव विज्ञान आरती, भौतिक विज्ञान नीलम, रसायन विज्ञान सुनील कुमार एवं गणित रोशन लाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रदर्शनी में बीआरपी विज्ञान विभा सैनी, बीआरपी रजनी वलेचा, पवन कुमार एवं संदीप कुमार का विशेष योगदान रहा।

तिरुपति धाम में पवित्रा उत्सव का हुआ समापन

- तिरुपति धाम के छह दिवसीय पवित्रा उत्सव में की गई जनकल्याण की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। तिरुपति धाम में आयोजित श्री पवित्रा उत्सव में उपस्थित अर्चक व श्रद्धालुगण। *फोटो : हरिभूमि*

विभिन्न संस्कृतियों को एकसूत्र में बांधने वाले श्री तिरुपति बालाजी धाम में चल रहे पवित्रा उत्सव का श्रीमहापूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। छह दिन तक चले इस पवित्रा उत्सव में विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान तिरुपति बालाजी, माता श्रीदेवी व माता भूदेवी की आराधना व पूजा-अर्चना की। पूरे विधि-विधान से मंत्रोच्चारण के साथ विभिन्न धार्मिक उपक्रमों का निर्वहन किया गया। भगवान श्री वेंकटेश जी की अनुकंपा से अंतिम दिन विद्वान अर्चकों ने श्रीमहापूर्णाहुति के साथ जनकल्याण की कामना भी की। इसके उपरांत श्रद्धालुओं में गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया।

भगवान श्री तिरुपति से संबंधित मंदिरों या देवालयों में श्री पवित्रा उत्सव का विशेष महत्व रहता है। यह दिव्यदेशान्तर्गत एक विशिष्ट यज्ञ है। इसके अंतर्गत भगवान तिरुपति बालाजी, माता श्रीदेवी व माता भूदेवी सहित स्वयं यजमान के रूप में विराजते हैं। इस यज्ञ में वेद-वेदांत-प्रबंध-पुराण-स्तोत्रादि का संपूर्ण पाठ भी होता है। यदि पूजा-पाठ या उत्सवों में कभी अनजाने में कोई त्रुटि रह गई हो तो पवित्रा उत्सव से भगवान को संतुष्ट कर सभी दोष दूर होते हैं। यह उत्सव भगवान को शद्धिकरण समर्पण का प्रतीक है।

विजेता खिलाड़ियों को विधायक रणधीर पनिहार ने किया पुरस्कार से सम्मानित

- खिलाड़ियों को संसाधनों की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। खिलाड़ियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि रणधीर पनिहार, प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी व अन्य।

नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की खेल नीति के बदौलत आज भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त कर रहे हैं। वे गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के विजेता खिलाड़ियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। पारितोषिक वितरण समारोह समारोह की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी ने मुख्यातिथि का स्वागत किया।

विधायक ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्कृट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को संसाधनों की आड़े नहीं दी जाएगी। समारोह में मंच संचालन डॉ. मुकेश ने किया।

मार्केट न्यूज

विज्डम स्कूल ने अंतर विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जीता तृतीय स्थान

सेंट कबीर स्कूल में शनिवार, 30 अगस्त प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों से विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए जिसमें विजडम स्कूल के कक्षा दसवीं के इशांत व कक्षा 9वी की दिया ने पूरे आत्मविश्वास के साथ उत्तर देकर तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। स्कूल संचालक श्रीमान हरि पाल पिलानिया ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल ज्ञान बढ़ाती हैं बल्कि बच्चों में ज्ञानवर्धन शक्ति भी विकसित करती है।

हकृवि के सभी घरों में औषधीय पौधे लगाने के लिए किया प्रेरित

स्वास्थ्य के लिए सहजन व कढ़ी पत्ता अनमोल उपहार

- भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज औषधीय पौधे वितरित करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। सहजन में विटामिन ए के रूप में बीटा-कारोटीन, विटामिन बी जैसे फॉलिक एसिड, पायरिडोक्सिन और निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, डी और ई भी पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

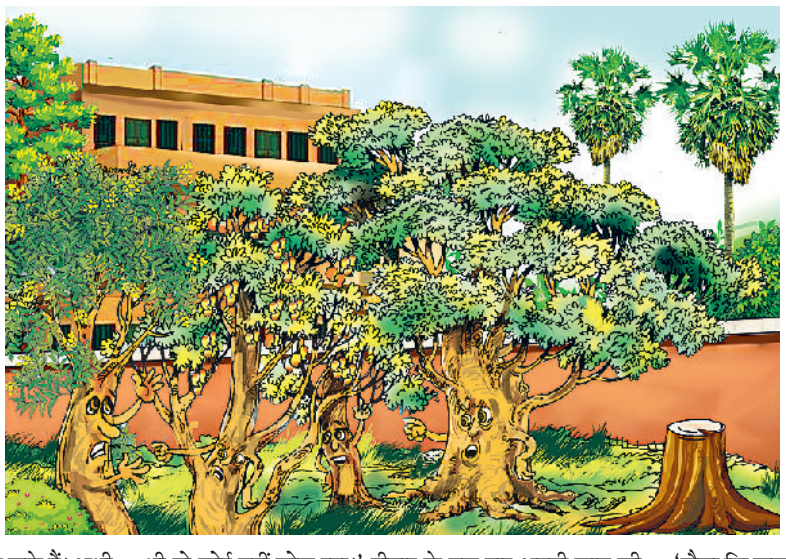

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्यः लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिकः आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूरः सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुखः 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *